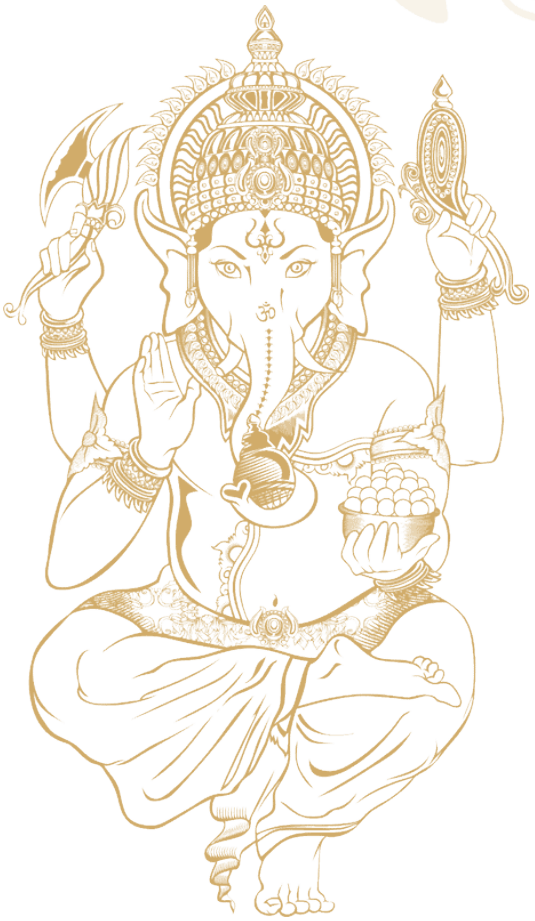

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121682304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/2026	जन्म तिथि	22/03/2026
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 12:03:00	जन्म समय	12:03:00 घंटे
घटी 14:09:18	जन्म समय(घटी)	14:09:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:16	सूर्योदय	06:23:16
18:33:18	सूर्यास्त	18:33:18
24:13:30	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:30

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 9वर्ष 7मा 26दि	13:50:50	मिथु	लग्न	मिथु	13:50:50	शुक्र 9वर्ष 7मा 26दि
शुक्र	07:25:19	मीन	सूर्य	मीन	07:25:19	शुक्र
22/03/2026	20:13:44	मेष	चंद्र	मेष	20:13:44	22/03/2026
17/11/2035	21:16:01	कुंभ	मंगल	कुंभ	21:16:01	17/11/2035
00/00/0000	14:22:08	कुंभ	बुध	कुंभ	14:22:08	00/00/0000
00/00/0000	21:03:45	मिथु	गुरु	मिथु	21:03:45	00/00/0000
00/00/0000	25:24:41	मीन	शुक्र	मीन	25:24:41	00/00/0000
00/00/0000	10:06:33	मीन	शनि	मीन	10:06:33	00/00/0000
22/03/2026	14:35:53	कुंभ व	राहु व	कुंभ	14:35:53	22/03/2026
गुरु 16/09/2028	14:35:53	सिंह व	केतु व	सिंह	14:35:53	गुरु 16/09/2028
शनि 17/11/2031	04:08:28	वृष	हर्ष	वृष	04:08:28	शनि 17/11/2031
बुध 17/09/2034	07:36:40	मीन	नेप	मीन	07:36:40	बुध 17/09/2034
केतु 17/11/2035	10:48:51	मक	प्लूटो	मक	10:48:51	केतु 17/11/2035

लग्न-चलित

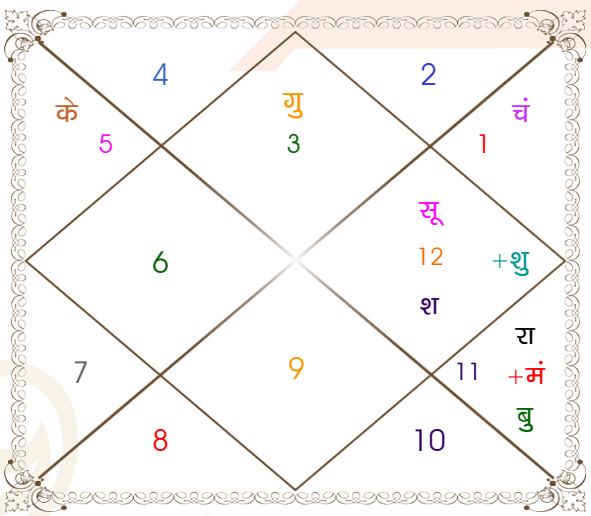

लग्न-चलित

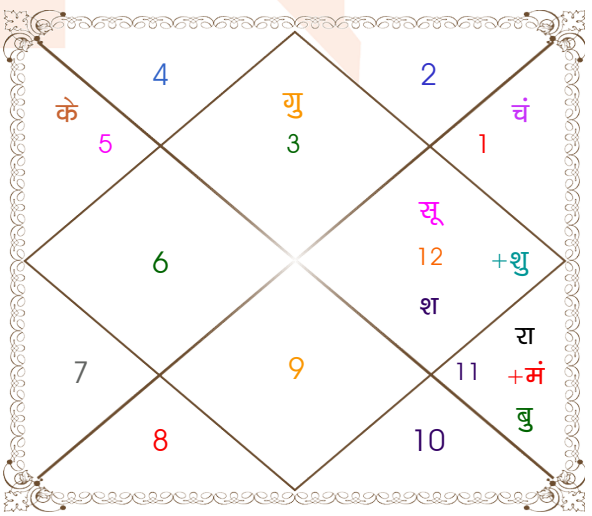

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।